तापमान
अधिकतम 28.8 डिग्री
न्यूनतम 8.8 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 16 फरवरी 2025

11 वैदिक यज्ञ समिति द्वारा 46वें वार्षिक उत्सव

12 पहले दिन शांतिपूर्वक हुई परीक्षा, लेंथी था इंग्लिश का पेपर

खबर संक्षेप

डॉ. कमलेश मलिक की पुस्तक पर परिचर्चा 22 को

सोनीपत। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की सोनीपत इकाई द्वारा 22 फरवरी को हिंदू गर्ल्स कॉलेज में पुस्तक पर परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इस परिचर्चा में सुप्रसिद्ध लेखिका डॉ. कमलेश मलिक की पुस्तक हस्ताक्षर तुम्हारे हैं पर परिचर्चा होगी। दोपहर 12 बजे शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में हरियाणा साहित्य अकादी के पूर्व निदेशक पद्मश्री पूर्णमल गौड़, हिंदू शिक्षण एवं धर्मार्थ समिति के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के उपाध्यक्ष रामधन शर्मा, प्रतिष्ठित न्यूज एंकर मीमांसा मलिक, डॉ. अंजलि ग्रोवर, हिंदू गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या डॉ. विपाशा अग्रवाल का विशेष सानिध्य रहेगा।

बड़ौता में महिला ने घर में फंदा लगाया

गोहाना। गांव बड़ौता में महिला ने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मानसिक रूप से परेशान थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर स्वजन को सौंप दिया। स्वजन ने पुलिस को बताया कि अनीता (52) पत्नी बलवान लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। शुक्रवार को वह सोने के लिए कमरे में गई थी और रात को फंदा लगाकर जान दे दी। सदर थाना गोहाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

रंजिश में युवक पर डंडों से हमला, केस दर्ज

गन्नौर। रेहड़ा बस्ती में एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घायल ने तीन हमलावरों के खिलाफ थाना गन्नौर में शिकायत दी है। शिकायत में रेहड़ा बस्ती निवासी मोसिन बताया कि बड़ी औद्योगिक क्षेत्र प्लाट नंबर 456 पर वेल्डिंग का काम करता है। करीब 13-14 दिन पहले उसका इमरान निवासी गांव मऊ, बागपत, यूपी से झगड़ा हुआ था, जिससे वह रंजिश रखने लगा। 13 फरवरी की शाम वह अपने दोस्त राहुल के साथ बाइक पर घर लौट रहा था। जब वह महावीर कबाड़ी की दुकान के पास पहुंचा तो इमरान और उसके दो अज्ञात साथियों ने उसे रोक लिया। इमरान ने डंडे से हमला किया, जिससे वह बाइक सहित गिर गया। डर के मारे वह खेतों की ओर भागा, लेकिन हमलावरों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद आरोपित उसे जान से मारने की धमकी दे कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर स्वजन उसे उसे सरकारी अस्पताल गन्नौर ले गए, जहां से उसे खानपुर मेडिकल रेफर किया गया। पुलिस ने शिकायत पर इमरान व उसके दो साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मतदाता सूची में नहीं मिला आप प्रत्याशी का नाम, हो गई बहस

रिटर्निंग अधिकारी ने मतदाता सूची में नाम ना मिलने के कारण नामांकन लेने से किया मना

■ नामांकन प्रक्रिया का चौथा दिन, अब तक तीन उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम मेयर उपचुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया जारी है। शनिवार को नामांकन का चौथ दिन रहा। शनिवार को केवल 1 नामांकन प्राप्त हुआ। जिसके बाद नामांकन की कुल संख्या 3 हो गई है। हालांकि शनिवार को नामांकन प्रक्रिया के दौरान उस समय हंगामा हो गया था, जब आम आदमी पार्टी प्रत्याशी नामांकन करने पहुंचें थे। पहले तो आप प्रत्याशी का नामांकन लेने से मना कर दिया गया था, हालांकि बाद में उनका नामांकन ले लिया गया। बता दें कि मेयर उप चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने डॉ. कमलेश कुमार सैनी को अपना उम्मीदवार बनाया है। शनिवार को वह नगर निगम कार्यालय में नामांकन दाखिल करने पहुंचे। नगर निगम कार्यालय में मतदाता सूची में नाम न मिलने के कारण रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभय सिंह जांगड़ा ने उनका नामांकन जमा करने से मना कर दिया। इसके बाद डॉ. कमलेश कुमार सैनी व संत धर्मबीर चोटीवाला की रिटर्निंग अधिकारी से बहस हो गई। विवाद को शांत करने के लिए रिटर्निंग अधिकारी ने नामांकन लेने की बात कही और उम्मीदवार को मतदाता सूची को लेकर 17 फरवरी तक दस्तावेज पूरे करने के लिए कहा। आप के उम्मीदवार डॉ. कमलेश कुमार सैनी ने सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी सिद्धार्थ सिंह के पास अपना नामांकन दाखिल कराया। नगर निगम कार्यालय में अब तक कुल तीन नामांकन दर्ज हो सके हैं। जिसमें से दो नामांकन रमेश खत्री के हैं।

सोनीपत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से टिकट लेते हुए कमल दिवान साथ में पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार।

कांग्रेस ने की आधिकारिक घोषणा, दिवान को टिकट मिलने पर समर्थकों ने निकाला जुलूस

कांग्रेस ने शनिवार को मेयर उपचुनाव के लिये प्रत्याशी की आधिकारिक घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने शनिवार को कांग्रेस नेता कमल दिवान को अपना प्रत्याशी बनाया है। पूर्व विधायक स्वर्गीय देवराज दिवान के पुत्र कमल दिवान को टिकट मिलने की खुशी में शनिवार को जुलूस भी निकाला गया। बहालगढ़ से लेकर दिवान फार्म हाउस तक निकाले गए जुलूस में समर्थकों ने कमल दिवान का स्वागत किया।

17 तक जमा कर सकेंगे नामांकन

नामांकन जमा करवाने की अंतिम तिथि 17 फरवरी निर्धारित हैं। ऐसे में अब नामांकन जमा करवाने के लिये केवल 1 दिन ही शेष हैं। क्योंकि रविवार को छुट्टी हैं। ऐसे में केवल सोमवार को ही नामांकन जमा होंगे। सोमवार को ही भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन और कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान अपने नामांकन दाखिल करवाएंगें। दोनों ही प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करवाने के लिये पहुंचेंगें। वैसे भी अभी तक केवल 3 नामांकन ही प्राप्त हुए हैं।

इंदौरा को उम्मीदवार बनाने पर भाजपाइयों ने बांटे लड्डू

खरखौदा। भारतीय जनता पार्टी ने खरखौदा नगरपालिका के चेयरमैन पद के लिए हीरालाल इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है। फरमाना मंडल के पूर्व अध्यक्ष दिनेश ठेकेदार, एडवोकेट मनीष नरवाल, अखिल भारतीय संत समिति प्रदेश महामंत्री अनिल दहिया, वरिष्ठ भाजपा नेता जयकरण ठेकेदार, नरेंद्र जांगड़ा, सुनील पांचाल आदि ने उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने पर लड्डू बांटकर खुशी जताई है। वहीं हीरा लाल इंदौरा ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है। चुनावी रणनीति बनाए जाने के लिए भाजपा नेताओं ने रविवार को खरखौदा की सैनी चौपाल में बैठक आहूत की है।बता दें कि हीरा लाल इंदौरा वर्ष 2013 से 2018 तक नगरपालिका पार्षद रहे हैं। खरखौदा भाजपा मंडल के अध्यक्ष रहे हैं। इन दिनों संत कबीर समाज सेवा समिति के प्रधान हैं। उधर कांग्रेस ने नगरपालिका के स्तर पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है।

खरखौदाः अब तक 32 का नामांकन

खरखौदा। नगरपालिका खरखौदा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को 10 उम्मीदवारों ने नामांकन किया। जिनमें रेखा ने अपने पति मुकेश के कवरिंग के रूप में नामांकन किया है। अब पार्षद पद के लिए कुल 30 नामांकन हो गए हैं। नामांकन करने वालों में चेयरमैन पद के लिए पूर्व पार्षद मैक्सिन ठेकेदार व पूर्व चेयरपर्सन रिंपल देवी ने नामांकन किया है। वार्ड पार्षद पद के लिए वार्ड 1 से हरिओम, वार्ड 2 से लक्ष्मी, सोनिया व ज्योति, वार्ड 3 से अजय राठौर, जितेंद्र कुमार, प्रदीप सैनी, संदीप, नवीन, वार्ड 4 से पूर्व पार्षद प्रेम उर्फ लीला, पूर्व पार्षद मोहन व जसबीर, वार्ड 5 से सीमा, वार्ड 6 से अनिता व प्रमोद, वार्ड 7 से अनूप ठेकेदार , सोहन कुमार, रवि कुमार, वार्ड 8 से कृष्ण, वार्ड 9 से संदीप व संजय , वार्ड 10 से मीनू, वार्ड 11 से सरिता, सोमवती व पवन कुमारी, वार्ड 12 से पूनम सैनी ने, वार्ड 14 से अंजू देवी ने, वार्ड 15 से अनिल कुमार ने, वार्ड 16 से मुकेश सैनी व उनकी पत्नी रेखा ने नामांकन किया है। ज्ञातव्य है कि वार्ड 12 से पूनम देवी व वार्ड 16 से मुकेश सैनी पंचायती उम्मदीवार के रूप में चुने गए हैं। किसी ने अकेले आकर नामांकन किया तो किसी ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए नामांकन किया है।

बिजली की मेन लाइन से 3700 मीटर केबल चोरी

गोहाना। चोरों ने गांव खानपुर कलां स्थित 33 केवी के बिजली घर की मुख्य लाइन से तार चोरी कर लिया। निगम के एसडीओ सुनील कुमार की शिकायत पर सदर थाना में मामला दर्ज किया। बिजली निगम के गांव खानपुर कलां में बिजलीघर में गांव न्यात की तरफ से मुख्य लाइन जाती है। चोरों ने न्यात रोड के निकट से चोरों ने 1150 मीटर लंबा तार चोरी कर लिया। एरिया इंचार्ज जगबीर ने मौके पर पहुंचकर जांच की और अधिकारियों को रिपोर्ट की। चोरों ने एक सप्ताह पहले गांव सिकंदरपुर माजरा स्थित बिजलीघर से भी लगभग 3700 मीटर लंबी केबल चोरी की थी। दोनों चोरियों से निगम को लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। कुंडली क्राइम यूनिट कुंडली पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित आदित्य उर्फ चिंटू निवासी राजेंद्र नगर सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वारदात में शामिल एक आरोपित को पहले काबू कर लिया था। सहायक उप निरीक्षक मनोज की टीम ने गीता भवन चौक के पास से गुप्त सूचना के आधार पर युवक को काबू कर किया था। आरोपित विजय उर्पु सतेरी के पास से पुलिस ने हेरोइन बरामद की थी। आरोपित के खिलाफ सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया था। वारदात में शामिल सहायक उप निरीक्षक सुनील की टीम ने दूसरे आरोपित आदित्य उर्फ चिंटू को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, केस दर्ज

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सौरभ निवासी बागपत यूपी का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।एक महिला ने गत आठ जनवरी को पुलिस से शिकायत देकर बताया था सौरभ नाम के युवक ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शादी की कहने के बाद आरोपित टालमटोल करने लगा। उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था।

गन्नौर बार एसो. चुनाव में भाईचारे की मिसाल कायम, सर्वसम्मति से चुने सभी पदाधिकारी

■ प्रधान पद पर गौरव त्यागी का भी निर्विरोध चयन

गन्नौर। गन्नौर बार एसोसिएशन ने आपसी सद्भाव और भाईचारे की अनूठी मिसाल पेश करते हुए आगामी चुनावों में सर्वसम्मति से अपने पदाधिकारियों का चयन किया है। पांच प्रमुख पदों के लिए प्रस्तावित चुनाव अब सर्वसम्मति से चुने गए प्रत्याशियों के कारण बिना मतदान के ही संपन्न हो गए हैं। शुक्रवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन उपप्रधान, सचिव, सहसचिव और कोषाध्यक्ष पदों के लिए केवल एक-एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिससे इन पदों पर निर्विरोध बनना तय था। वहीं प्रधान पद के लिए गौरव त्यागी और राजीव त्यागी ने नामांकन दाखिल किया था। शनिवार को नामांकन वापसी की प्रक्रिया के दौरान राजीव त्यागी ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे प्रधान पद पर भी गौरव त्यागी का भी निर्विरोध चयन हो गया। सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारियों में प्रधान पद पर गौरव त्यागी, उपप्रधान विशाल चौहान, सचिव विवेक त्यागी, सहसचिव रणसिंह भारद्वाज, और कोषाध्यक्ष नवीन रंगा शामिल हैं। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने सभी पदाधिकारियों को फूलमालाएं पहनाई और उन्हें जीत पर बधाई दी।

चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए आरओ संजय पांचाल तथा एआरओ सतेंद्र गिरी और योगेश शर्मा उपस्थित रहे। प्रधान गौरव त्यागी ने कहा कि आपसी सहमति से एसोसिएशन के पदाधिकारी चुन कर सभी अधिवक्ताओं ने भाईचारे और एकता का परिचय दिया है।

प्रतिबंधित दवाइयों की खेप के साथ तस्कर काबू, पुलिस ने छह दिन के रिमांड पर लिया

■ पुलिस ने कोर्ट मोहल्ला में स्थित मकान में छापेमारी कर एक हजार बोतल बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कुंडली क्राइम यूनिट ने कोट मोहल्ले एक घर पर छापेमारी कर प्रतिबंधित दवाई की एक हजार शीशी बरामद की है। पुलिस ने दवाई की तस्करी करने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सन्नी निवासी कोट मोहल्ला का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे छह दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

सहायक उप निरीक्षक सुरेश ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान बीज मार्केट के पास मौजूद थी। टीम को सूचना मिली कि कोट मोहल्ला का रहने वाला सन्नी प्रतिबंधित दवाइयों की तस्करी करता है। उसने अपने घर में दवाई छिपा रखी है। टीम ने उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। जिसके बाद ड्रग्स कंट्रोल आफिसर मुंशीराम और राजपत्रित अधिकारी शिव कुमार की निगरानी में छापेमारी के लिए टीम गठित की गई। टीम ने कोट मोहल्ले में पहुंची तो घर के बाहर युवक खड़ा मिला। युवक ने उससे पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान सन्नी के रूप में दी। टीम ने घर की तलाशी ली तो प्लास्टिक के थैलों में रखी प्रतिबंधित वनरेक्स कोडिन फास्फेट ट्रिपरोलाडाइन हाइड्रोक्लोराइड सिरप की एक हजार शीशी मिली। पुलिस ने शीशी अपने कब्जे में लेकर आरोपित सन्नी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को न्यायालय में पेश कर छह दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

दिल्ली से लेकर आता था

मिली जानकारी के अनुसार आरोपित सन्नी खुद नशे का आदि है। वह दिल्ली से चोरी-छिपे दवाई लेकर आता और क्षेत्र में नशे के आदी युवाओं को दवाई बेच देता था। इसी लत को पूरा करने के लिए प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी से जुड़ गया। वह दवाइयों की तस्करी भी करता है। फिलहाल पुलिस ने दिल्ली में जहां दवाई लाई गई है। उस जगह भी पहचान कर ली।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने की छापेमारी : गुप्त सूचना के आधार पर छापामार कार्रवाई करते हुए नशीली दवाइयों की खेप पकड़ी है। जिसमें एक हजार शीशी बरामद हुई है। आरोपित को अदालत में पेश कर रिमांड की अपील की। अदालत ने आरोपित को छह दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

-अंकित कुमार, प्रभारी, क्राइम यूनिट, कुंडली

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दौरान मुनाफे का सौदा

▸▸ परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
▸▸ शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस
▸▸ शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
▸▸ संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड म्युचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से से पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी

मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त हैं जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड: बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

■ 1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
■ कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
■ इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्म टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	27.78 %
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर्न बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

पैसिव म्यूचुअल फंड बढ़ रहा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

● लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न ● इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुणा मुनाफा ● पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपये है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ था, दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486% का उछाल आया

दिसंबर 2024 में गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये का निवेश हुआ

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे लोग, करीब 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपये) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपये था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

2024 में मंथली निवेश/निकासी

- दिसंबर 2024 +640.16 करोड़ रुपये
- नवंबर 2024 +1,256.72 करोड़ रुपये
- अक्टूबर 2024 +1,961.57 करोड़ रुपये
- सितंबर 2024 +1,232.99 करोड़ रुपये
- अगस्त 2024 +1,611.38 करोड़ रुपये
- जुलाई 2024 +1,337.35 करोड़ रुपये
- जून +726.16 करोड़ रुपये
- मई +827.43 करोड़ रुपये
- अप्रैल -395.69 करोड़ रुपये
- मार्च +373.36 करोड़ रुपये
- फरवरी +657.46 करोड़ रुपये
- जनवरी +997.22 करोड़ रुपये

क्यों जमकर लग रहा पैसा

जानकारों के अनुसार इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता ने निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। गोल्ड में बेहतर रिटर्न की संभावना के बीच निवेशक फिलहाल अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए इस एसेट क्लास में ईटीएफ के जरिये जमकर निवेश कर रहे हैं। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने के आसार और पिछले बजट में टैक्स नियमों में हुए बदलाव के बाद गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है।

ग्लोबल लेवल पर शानदार शुरुआत

ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ के लिए नए साल की शुरुआत शानदार रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल से मिले ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश 3 बिलियन डॉलर बढ़ा। वॉल्यूम /होल्डिंग के लिहाज से इस दौरान निवेश में 34.5 टन की वृद्धि हुई। सोने की कीमतों में तेजी और लगातार दूसरे महीने आए इनफ्लो के दम पर जनवरी 2025 के अंत तक गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम और टोटल होल्डिंग बढ़कर क्रमशः रिकॉर्ड 294.2 बिलियन डॉलर और 3,253.3 टन पर पहुंच गए। ग्लोबल लेवल पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच जनवरी में सोने के भाव में तकरीबन 8 फीसदी का इजाफा हुआ।

28.6 टन का आउटफ्लो

पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.3 बिलियन डॉलर यानी 3.6 टन बढ़ा था। हालांकि बीते साल नवंबर में लगातार छह महीने की तेजी के बाद गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ को सबसे तगड़ा सपोर्ट यूरोप से मिला। पिछले महीने यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़कर मार्च 2022 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान यूरोप में 3.4 बिलियन डॉलर (+39 टन) का नेट इनफ्लो देखा गया। ज्यादातर निवेश इंग्लैंड और जर्मनी में आया। हालांकि बीते साल ज्यादातर महीने यूरोप में नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया था। नार्थ अमेरिकी फंडों में लगातार दूसरे महीने जनवरी में आउटफ्लो देखा गया। इस दौरान नार्थ अमेरिकी फंडों से निवेशकों ने नेट 499 मिलियन डॉलर (-5.9 टन) निकाले। जबकि एशियाई फंडों में निवेशकों ने जनवरी में नेट 57 मिलियन डॉलर (+0.3 टन) डाले। एशिया में भारत इनफ्लो के मामले में सबसे आगे रहा। हालांकि चीन में इस दौरान 399.1 मिलियन डॉलर का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

विद्या भवन में प्रशासक की नियुक्ति की मांग की

गोहाना। जनता विद्या भवन बुटाना संस्था के पूर्व अध्यक्ष अजीत सांगवान ने राज्य सरकार से संस्था में प्रशासक की नियुक्ति करने की मांग की। उन्होंने यहां पर नियुक्तियों में अनियमितता बरतने का आरोप लगाकर विजिलेंस से जांच करवाने की मांग की। इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया। अजीत सांगवान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनता विद्या भवन बुटाना संस्था को विश्वविद्यालय बनाने की तैयारी की जा रही है।

कई पात्र परिवार अभी तक राशि से वंचित

सोनीपत। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने गांव उल्देपुर में जनसंपर्क अभियान कर गरीब परिवारों की दयनीय स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त किया। संजय बड़वासनिया ने कहा कि जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हजारों मकानों के लिये राशि आवंटित हुई थी। लेकिन कई पात्र परिवार अभी तक राशि से वंचित है। संजय बड़वासनिया ने बताया कि गांव में कई मकानों की हालत खस्ता हो चुकी है। इन परिवारों को योजना में शामिल करना चाहिये।

कम्युनिटी सेंटर में वैदिक यज्ञ का आयोजन किया

सोनीपत। सेक्टर 14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में वैदिक यज्ञ समिति द्वारा 46वें वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। बृहद यज्ञ में ब्रह्मा डॉ. वेदपाल ने समझाया कि हमें प्रार्थनाएं कैसी करनी चाहिए। सामवेद के मंत्रों के माध्यम से बताया कि हे परमेश्वर जो पदार्थ दीप्तिमान हैं, दूरगामी है पुष्टि देने वाले हों, पूर्ण ताकत देने वाले हों, सभी प्रकार की सफलता देने वाले पदार्थ अर्थात अन्न दो। हे प्रभु हमारा मन ऐसा हो जो किसी मनुष्य में भेदभाव की भावना न रखता हो।

उपायुक्त कार्यालय पर धरना और प्रदर्शन कल

सोनीपत। एआईयूटीयूसी के राज्य सचिव हरिप्रकाश ने बताया कि सोमवार को विभिन्न ट्रेड यूनियन उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपेंगे। हरिप्रकाश ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर-कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ क्रांतिकारी ट्रेड यूनियन-एआईयूटीयूसी के आह्वान पर पूरे भारत में धरने प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार देश के चंद पूंजीपतियों के लिए काम कर रही है। चार लेबर कोड लाकर ज्यादातर श्रम कानून मृत प्रायः कर दिये हैं।

रामायण पाठ से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली

गन्नौर। श्री चुंकट ऋषि समिति मंदिर खेड़ी गुज्जर द्वारा पांच दिवसीय श्री हनुमत महायज्ञ व रामायण पाठ की शुरुआत पंडित पवन शास्त्री की देखरेख में हुई। इससे पहले गांव में महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा गांव के मंदिर से शुरु हुई गांव में विभिन्न मार्गों से होते हुए सतकुंभा स्थित चुंकट मंदिर में समाप्त हुई। श्री हनुमत महायज्ञ व रामायण पाठ का समापन 18 फरवरी को पूर्ण आहुति से होगा।

गोल्ड विजेता खिलाड़ियों कोच का किया स्वागत

खरखौदा। हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता ने बताया कि 7 से 13 फरवरी तक देहरादून में खेले गए 38 वें राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा नेटबॉल ट्रेडिशनल नेटबॉल, फास्ट फाइव नेटबॉल, मिक्सड नेटबॉल इवेंट की टीमों ने गोल्ड मेडल पर कब्जा किया व ट्रेडिशनल नेटबॉल में दो गोल्ड मेडल व फास्ट फाइव नेटबॉल में दो गोल्ड व मिक्सड नेटबॉल में एक गोल्ड मेडल और टीम खेलों में सबसे बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों, कोच व मैनेजर ने नारायण महाराज आश्रम सिसाना में नारायण महाराज की प्रतिमा पर फूल व मेडल व ट्रॉफी उनके चरणों में अर्पित कर आशीर्वाद लिया।

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में क्षमता निर्माण कार्यशाला

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में किशोरावस्था शिक्षा विषय पर कार्यशाला की शुरुआत शनिवार को हुई। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के तौर पर प्राध्यापक डॉ. किरण दलाल और आरके श्रीवास्तव मौजूद रहे। कार्यशाला में किशोरावस्था और इसकी चुनौतियों के बारे में शिक्षकों को विस्तार से बताया गया।

पेराई सत्र को समय सीमा अवधि में समाप्त करने की कवायद

आहुलाना चीनी मिल में ट्रांसफर किया तीन लाख क्विंटल गन्ना

आहुलाना मिल के लिए गन्ना उत्पादकों को पर्चियां की जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दी सहकारिता चीनी मिल प्रबंधन की तरफ से पेराई सत्र को समय सीमा अवधि में समाप्त करने की कवायद में जुट गया है। जिसके तहत प्रबंधन की तरफ से तीन लाख क्विंटल गन्ना ट्रांसफर किया गया है। प्रबंधन की तरफ से आहुलाना चीनी मिल में गन्ना डालने के लिए गन्ना उत्पादकों को पर्चियां जारी कर दी गई है। प्रबंधन की तरफ से हर रोज पांच हजार क्विंटल गन्ने के टोकन जारी किए जाते है। ताकि गन्ना उत्पादकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बता दें कि शहर के कामी सड़क मार्ग स्थित दी सहकारिता चीनी में वर्ष 2024-25 के लिए जिले के करीब 1800 से ज्यादा गन्ना उत्पादकों के साथ बॉन्डिंग की है। प्रबंधन की तरफ से 32 लाख क्विंटल गन्ने की बॉंडिंग की है। इस बार फरवरी माह में ही गर्मी बढ़ी शुरू हो गई है। ऐसे में अप्रैल माह के पहले सप्ताह तक पेराई का टारगेट पूरा करने की कवायद में जुटे सोनीपत चीनी मिल प्रबंधन द्वारा गन्ने को आहुलाना चीनी मिल में भी भेजना शुरू कर दिया है, ताकि समय पर गन्ना उत्पादकों के खेत खाली हो सके। अधिक गर्मी होने पर मिल का संचालन करना मुश्किल होता है, वहीं चीनी की रिकवरी रेट भी कम हो जाती है।

प्रबंधन कर चुका है 16 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई: सोनीपत चीनी मिल में गन्ने की पेराई तेजी से की जा रही है। सोनीपत चीनी मिल की पेराई क्षमता 22 हजार क्विंटल प्रतिदिन है। अब तक मौजूदा पेराई सत्र में 16 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई का काम पूरा किया जा चुका है। पिछले 24 घंटे में सोनीपत चीनी मिल में 21 हजार 442 क्विंटल गन्ने की पेराई की गई है। शनिवार की बात करे तो शाम चार बजे तक सोनीपत चीनी मिल में 9 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई का काम पूरा कर लिया गया था। इस दौरान सोनीपत चीनी मिल की यार्ड में 2860 क्विंटल गन्ना किसान लेकर पहुंचे हुए थे, जबकि इसके अतिरिक्त 30 हजार 590 क्विंटल गन्ने के ऑनलाइन टोकन बुक हो चुके थे।

सोनीपत। सोनीपत चीनी मिल में चेन पर गन्ना डालती क्रेन। फोटो :हरिभूमि

पेराई का लक्ष्य पूरा हो चुका

समय पर पेराई सत्र के कार्य को पूरा करने के लिए प्रबंधन की तरफ से आहुलाना चीनी मिल में गन्ना ट्रांसफर किया गया है। प्रबंधन की तरफ से अब तक 16 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई का लक्ष्य पूरा हो चुका है। गन्ना उत्पादकों की मदद वह सहायता के लिए प्रबंधन की तरफ से जरूरी कदम उठाने का कार्य किया समय-समय पर किया जाता है। *अमित कुमार, महाप्रबंधक चीनी मिल सोनी*

गोहानाः हिमांशु ने क्लायरीपयट्टू प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

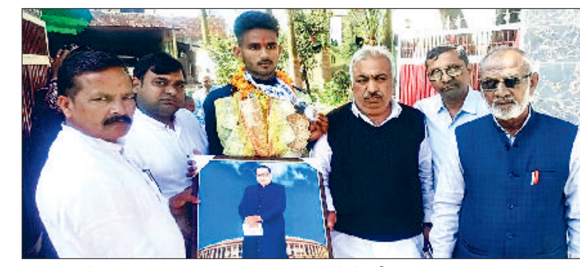
हिमांशु को डॉ. अंबेडकर का चित्र प्रदान कर नोटों की मालाओं से स्वागत करते हुए।

हरिद्वार में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक सम्पन्न राष्ट्रीय क्लायरीपयट्टु प्रतियोगिताः 2025 में शहर के वार्ड संख्या 23 के गौतम नगर निवासी हिमांशु पुत्र धर्मेन्द्र ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता में हिमांशु ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर शनिवार को गोहाना पहुंचने पर उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय क्लायरीपयट्टू प्रतियोगिता में हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार सहित अन्य राज्यों से खिलाडिय़ों ने प्रतिभागिता की। हिमांशु ने इस प्रतियोगिता में अपने प्रतिद्वंद्वियों को परास्त करके रजत पदक अपने नाम कर लिया। गोहाना पहुंचने पर डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक में हिमांशु का फूलों व नोटों की मालाओं से उनका नागरिक अभिनंदन किया गया।

वार्षिकोत्सव का आयोजन किया

सोनीपत। श्री चंडी मां महाकाली प्राचीन मंदिर सिद्धपीठ में 22वें वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वार्षिकोत्सव के तहत आयोजित की जा रही श्रीमद भागवत कथा में शनिवार को भगवान कृष्ण के अन्य विवाह और वंश वर्णन, सुदामा चरित्र सुनाते हुए कथा को विश्राम दिया गया। कथा वाचक बरसाना से आए आचार्य डॉ. रोहिताश भारद्वाज ने बताया कि श्रीमद भागवत कथा के श्रवण मात्र से ही सभी दुखों का नाश होता है। इसीलिये जरूरी है कि जीवन में भागवत कथा का श्रवण करें और भगवान की वाणी के अनुसार जीवन व्यतीत करें। शनिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ सागर वालिया ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस मौके पर यजमान के तौर पर संजय अरोड़ा ने उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं मुख्यातिथि के तौर पर ईश्वर दयाल शर्मा, अशोक रेलन, संजीव अग्रवाल, नरेश जैन मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुगण नृत्य करते हुए।

अभिभवकों से बातचीत करते प्राचार्य अश्विनी कुमार।

समय सारणी बनाकर परीक्षा की तैयारी करें

गोहाना। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित स्थानीय गीता विद्या मंदिर में शनिवार को आचार्य-अभिभावक बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्षिक परीक्षा की योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करवाने को लेकर मंथन किया गया। प्राचार्य अश्विनी कुमार ने कहा कि विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक लेने के लिए समय सारणी तैयार करें। वे निर्धारित करें कि किस विषय की तैयारी में कितना समय देना है। विद्यार्थी योजनाबद्ध तरीके से परीक्षा की तैयारी करें। प्राचार्य ने अभिभावकों से विद्यार्थियों के पठन-पाठन, आचरण एवं सकारात्मक वातावरण बनाने के लाभ एवं उपाय हेतु वार्ता की। अभिभावकों ने आवधिक परीक्षा की उत्तर पुस्किताएं देखी और परिणाम जाना।

लिटल एंजल्स स्कूल में एडवेंचर कैंप का आयोजन

सोनीपत। लिटल एंजल्स स्कूल, सोनीपत के स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स में कक्षा नर्सरी से कक्षा तीन व लिटल एंजल्स इंक्लूसिव स्कूल के बच्चों के लिए दो दिवसीय एडवेंचर कैंप का शानदार आयोजन किया गया। इस एडवेंचर कैंप के दौरान बच्चों को अनेक क्रियात्मक गतिविधियाँ करवाई गईं। इस एडवेंचर कैंप में बच्चों को बर्मा ब्रिज, कमांडो ब्रिज, टैंट पिचिंग, स्पाईडर वेब, ओबस्टैकल कोर्स, आर्चरी, पाइप एंड मार्बल, कमांडो नेट, रोप लैडर बैलेंस वॉक, ट्रेम्पोलाइन, डार्ट शूटिंग, वॉल क्लाइंबिंग, होलो पास, हिट द मंकी, टग ऑफ वॉर, नेट क्रोलिंग, बॉडी जोर्ब बॉल, क्रेजी गोल्फ, मिक्की माऊस, पॉटरी, बाउंसी आदि गतिविधियाँ करवाई गईं। इनके साथ मैजिक शो व मॉडर्न पपैट शो भी दिखाया गया। इस एडवेंचर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास करना था। इस कैंप का आयोजन अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में किया गया। प्रशिक्षकों ने बच्चों को गतिविधियों से होने वाले लाभ के बारे में भी जानकारी दी। एडवेंचर कैंप में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण पत्र भी दिए गए ।

लिटल एंजल्स स्कूल में आयोजित एडवेंचर कैंप में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

सोनीपत। विजेता विद्यार्थियों के साथ कॉलेज स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

राष्ट्रीय पोस्टर मेकिंग में कोमल दहिया अव्वल

सोनीपत। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जीवीएम कालेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित की गई ऑनलाईन राष्ट्रीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय की कोमल दहिया अव्वल रही। संस्थाप के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्रशासक हरीश घई और प्राचार्या डा. मीनू अग्रवाल ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय ऑनलाईन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता की संयोजक प्राध्यापिका डा. निधि चुघ ने बताया कि गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित करते हुए विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय की कोमल दहिया ने प्रथम तथा इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय की ही रवीना ने द्वितीय और गणेश कालेज ऑफ एजुकेशन की सौम्या ने तृतीय स्थादन हासिल किया।

रस्सा खिंचाई में भगत सिंह ग्रुप प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते डॉ. सीडी शर्मा व शिक्षकगण।

शहर से सटे गांव गढ़ी सराय नामदार खां स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव का समापन हो गया। मुख्य अतिथि शहर के वरिष्ठ सर्जन एवं समाजसेवी डॉ. सीडी शर्मा रहे। खेलोत्सव की अध्यक्षता विद्यालय के मुख्य अध्यापक रविन्द्र मलिक ने की जबकि संयोजन डीपीई लक्ष्मण का रहा। रस्सा खिंचाई प्रतियोगिता में लडक़ों के वर्ग में भगत सिंह ग्रुप और लड़कियों के गुप में कल्पना चावला ग्रुप अव्वल रहा। लडक़ों की स्लो साइकिलिंग रेस में रितिक, प्रदीप और दीपांशु क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। लडक़ों की बोरी रेस में प्रवेश, मोहित और विवेक जबकि लड़कियों में पूजा, मोनिका और काजल क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। लडक़ों की तीन टांग रेस में प्रवेश और मोहित की जोड़ी ने पहला, प्रतीक और दीपांशु की जोड़ी ने दूसरा जबकि शिव और प्रिंस की जोड़ी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों में जानवी और गुंजन, पूजा और काजल, हर्षिता और अर्मी की जोड़ी क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। लड़कियों की मटका रेस में सोनिया ने पहला, आंचल ने दूसरा और दिव्या ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। आलू में चम्मच प्रतियोगिता में संध्या, छाया और कीर्ति जबकि नृत्य प्रतियोगिता में ज्योति, दिशा व दीपिका, आरती व सोनी क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

सोनीपत। विजेता खिलाड़ी का स्वागत करते प्राचार्य एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

यूथ गेम्स में जीता स्वर्ण, खिलाड़ी का किया स्वागत

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय की छात्रा सुमन ने स्टेयर्स हरियाणा स्टेट यूथ गेम्स में स्वर्ण पढक हासिल किया। कॉलेज पहुंचने पर गीता और अन्य स्टॉफ सदस्यों ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। यह प्रतियोगिता सोनीपत में ही संपन्न हुई थी। खिलाडी सुमन ने अंडर 57 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया और नेशनल में अपनी जगह बनाई। टीकाराम एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान सुरेन्द्र सिंह दहिया ने छात्रा का हौसला बढ़ाते हुए और आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका सुमन मान ने भी छात्रा को बधाई देते नेशनल की तैयारी का लिए हौसला बढ़ाया।

शहीदों की आत्मिक शांति की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शहीदों को नमन करते महासभा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पिछड़ा एवं अनुसूचित समाज महासभा द्वारा पुलवामा हमले में शहीद हुए सेना के जवानों की स्मृति में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में महासभा के प्रतिनिधियों ने शहीदों को नमन करते हुए उनकी आत्मिक शांति की कामना की। श्रद्धांजलि समारोह शहर में शहीद चौक के समीप स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित किया गया।

नेतृत्व महासभा की उपाध्यक्ष सत्यवती पांचाल का रहा। समारोह में शहीदों की स्मृति में दीये जलाए गए। संगठन के संरक्षक प्रो. शमशेर भंडेरी ने कहा कि पुलवामा हमले में शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस हमले के आरोपितों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। संरक्षक सुभाष भट्टी ने कहा कि शहीद हमारे राष्ट्र की आन बान और शान हैं। जब वे देश की सीमा पर पहरा देते हैं तभी हम अपने देश में चैन से रह रहे हैं। देश की सेना और शहीदों का हमेशा सम्मान करें। समारोह में कमलेश सैनी, नरेश, रामभगत फौजी, महासिंह पटवा, वित्तिय सचिव सोमपाल, पंकज विरोधिया, बलजीत मास्टर, जसवंत मास्टर, रामू रामपाल वाल्मीकि, मोनू सैन, जगदीश राय मदीना पार्षद, सत्यनारायण पांचाल व देवेन्द्र आदि मौजूद थे।

सोनीपत। विजेता विद्यार्थियों के साथ प्राचार्य एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

लेखन प्रतियोगिता में छाई चहक, मानसी रही द्वितीय

सोनीपत। छोटू राम आर्य महाविद्यालय में हिंदी विभाग व साहित्यिक क्लब के द्वारा इंटर विश्वविद्यालय लघु कथा/पटकथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कॉलेजों से विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में जैन विद्या मंदिर महाविद्यालय की छात्रा चहक प्रथम, हिंदू कॉलेज की मानसी द्वितीय तथा छोटू राम आर्य महाविद्यालय की छात्रा शिवांगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कारगुरु नानक इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी की छात्रा रितु ने प्राप्त किया। इन सभी विजेता विद्यार्थियों को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह ने प्रमाण पत्र व कैस प्राइज देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. राजीव, डॉ. उर्मिला हुड्डा व कविता अहलावत ने निभाई। वहीं प्रोफेसर विक्रम तुषीर व आदित्य व हिमांशु छात्रों ने भी अहम भूमिका निभाई और प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार देते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

टीकाराम शिक्षा कालेज में 50वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

स्वस्थ जीवन के लिए खेल आवश्यक : सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

टीकाराम शिक्षा महाविद्यालय में 50 वीं वार्षिक (स्वर्ण जयंती) खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टीका राम शिक्षा संस्था के प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने स्टाफ और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण की महत्ता बताई और स्वस्थ जीवन के लिए खेलों को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने पसंद का एक खेल चुनना चाहिए और उसमें अभ्यास करते हुए खुशनुमा जीवन जीना चाहिए। खेल, समाज में मेल-जल की भावना एवं सकारात्मक लाते हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा ने मुख्य अतिथि एवं संस्था के अन्य प्राचार्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि कॉलेज स्थापना वर्ष 1975 से अब तक अनवरत हर वर्ष खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों के समुचित विकास के लिए खेलों में भाग लेना भावी अध्यापकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिता में बीएड और एमएड के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पुरुष वर्ग में अजय और महिला वर्ग में छात्रा हिना ने सर्वोत्तम एथलीट का स्थान पाया। महिला वर्ग में हिना ने 100 मीटर दौड़ प्रथम, 200 मीटर में द्वितीय और 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान, लंबी कूद में तीसरा स्थान हासिल किया। अजय ने शॉट पुट और लंबी कूद में प्रथम और 200 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया। छात्रा रोमी ने 200 मीटर दौड़ में और पूजा डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर टीकाराम संस्था के स्कूल, कॉलेजों के प्राचार्य, वरिष्ठ अध्यापक डॉ. बलबीर सिंह एवं सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सोनीपत। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करते प्रधान साथ में प्राचार्यगण एवं अन्य।

सोनीपत। विद्यार्थियों की रचना देखते प्राचार्य एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

स्टेम मेले में कृष्णा प्रथम, शिवम ने पाया दूसरा स्थान

सोनीपत। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी ब्राह्मणान में स्टेम मेले का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों ने भाग लिया और गणित और विज्ञान के माडलों की एक प्रदर्शनी लगायी गई। विद्यालय के प्राचार्य ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनका उत्साहवर्धन किया। निर्णायक मंडल ने गणित प्रदर्शनी में समीक्षा को पहले, मयंक को दूसरे और दीपिका को तीसरे स्थान पर घोषित किया। विज्ञान प्रदर्शनी में कृष्णा को पहले, शिवम को दूसरे और तनीष को तीसरे स्थान पर घोषित किया गया। प्राचार्य ने सभी विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सुशीला, आजाद सिंह, सोमवती आदि सहित विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

रोड पर खड़े फोर-व्हीलर से 12 बॉक्स जूते चोरी

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र में सर्विस रोड पर खड़े वाहन से जूते चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित चालक ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। हनुमान चबुतरा जालौन उत्तर प्रदेश निवासी सोमप्रकाश ने बताया कि वह करीब दो माह से टाटा एएसई की नौकरी करता है। वह गत 12 फरवरी को गाड़ी में जूते व चप्पल भरकर चण्डीगढ़ के लिए चला था। रात को बहालगढ़ से कुछ दूरी पर सर्विस रोड पर गाड़ी को खड़ा करके सो गया। सुबह उठकर गाड़ी चलने से पहले चेक करने लगा। गाड़ी के गेट पर ताला नहीं मिला। अंदर सामान की जांच की तो गाड़ी से 12 बॉक्स जूते नहीं मिले। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी जयभगवान ने बताया कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है।

टॉवर से सामान चोरी मुकदमा दर्ज

सोनीपत। राई थाना क्षेत्र में कंपनी के टॉवर से सामान के चोरी होने का मामला सामने आया है। कंपनी के अधिकारी ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पानीपत निवासी संदीप ने बताया कि वह कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर तैनात है। उनकी कंपनी का टावर राजीव गांधी एजूकेशन सिटी राई के एक प्लॉट में लगा रखा है। गत 10 फरवरी को रात को टावर से डाउन की सूचना मिली। टावर के पास जाकर जांच की तो सामान गायब मिला। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एचसी सोमबीर ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

महिला ने प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र में महिला को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप का मामला सामने आया है। इंडियन कॉलोनी निवासी मोनिका ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2005 में संदीप के साथ हुई थी। शादी के बाद उसे मानसिक व शारीरिक तौर से प्रताड़ित किया जाने लगा। ससुराल पक्ष के लोग उसके साथ गाली-गलौज करते है। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति के किसी अन्य महिला के साथ संबंध है। इस बारे में जानने के बाद भी उसका साथ देते है। पीड़िता ने बताया कि गत 26 नवंबर को करीब तीन बजे ससुराल पक्ष के लोगों ने कमरे में घुसकर उनके साथ मारपीट की। पीड़िता ने ससुर पर आरोप लगाया कि उसके कमरे में सीसीटीवी कैमरा लगा रखा है। जिससे वह उस पर बुरी नजर रखते है। पुलिस आयुक्त कार्यालय से मिले आदेश पर शहर थाना पुलिस ने ससुराल पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं शुरू

दसवीं के छात्र बोले- पेपर था आसान पर लैंथी होने के कारण लगा ज्यादा समय

सोनीपत। हिंदू कोर्ट रोड पर बनाए गए परीक्षा केंद्र के बाहर पहुंचें परीक्षार्थी और परीक्षा केंद्र के बाहर अपने रोलनंबर देखते हुए परीक्षार्थी एवं अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में शनिवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई। परीक्षा के पहले दिन जिले में बनाए गए 30 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक परीक्षा आयोजित हुई। जिसके तहत 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय की परीक्षा दी, वहीं 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उद्यमशीलता की परीक्षा दी।

सुबह 10:30 बजे शुरू हुई परीक्षा तीन घंटों तक चली। दोपहर बाद 1:30 बजे परीक्षा देकर परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले विद्यार्थियों ने प्रश्नपत्र को लेकर खुशी व्यक्त की। 10वीं के विद्यार्थियों ने बताया कि अंग्रेजी विषय का पेपर बेहद आसान था, लेकिन लेंथी था। जिसकी वजह से पूरे समय में ही प्रश्नों के जवाब दे पाए। बोर्ड परीक्षा को लेकर सीबीएसई की तरफ से सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थी।

9 बजे पहुंचने लगे थे विद्यार्थी

बोर्ड परीक्षा को लेकर जिले में बनाए परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थी सुबह नौ बजे ही अभिभावकों व अध्यापकों के साथ पहुंचना शुरू हो गए थे। स्कूल प्रबंधन की तरफ से गेट पर ही विद्यार्थियों का सीटिंग प्लान चस्पा कर दिया था। विद्यार्थी अपना रोल नंबर देखते हुए परीक्षा केंद्र में प्रवेश करते रहे। परीक्षा केंद्रों के बाहर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने प्रवेश बंद होने के साथ ही बाहर खड़े अभिभावकों को परीक्षा केंद्र से दूर जाने के निर्देश दिए, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाई जा सके। सभी केंद्रों पर विद्यार्थियों ने सीसीटीवी की निगरानी में पेपर दिया।

सीसीटीवी से निगरानी

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। पहले दिन 10वीं कक्षा का अंग्रेजी तो 12वीं का उद्यमशीलता विषय का पेपर हुआ। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी की निगरानी में शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई।

-**प्रेम कुमार ओझा,** जिला समन्वयक, सीबीएसई

30 परीक्षा केंद्र बनाए

बोर्ड परीक्षा को लेकर इस बार परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 30 की गई है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 300 से 400 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। एक कमरे में अधिकतम 24 विद्यार्थियों को बैठाया गया था, जिन पर दो अध्यापकों की ड्यूटी लगाई गई थी। बोर्ड परीक्षा को लेकर सभी विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र पर एक घंटा पहले पहुंचने के निर्देश दिए थे। सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह नौ बजे ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। सुबह 10 बजे परीक्षा केंद्रों में प्रवेश बंद कर दिया गया।

सनपेड़ा में फैक्ट्री के पास खाली पड़ी जमीन में कूड़े में लगाई जा रही आग, प्रदूषण से लोग परेशान

गन्नौर। सनपेड़ा में फैक्ट्री के पास खुले में कूड़ा डाल कर उसमें सरेआम आग लगा कर प्रदूषण फैलाया जा रहा है। कूड़े के ढेर से उठते धुएं के चलते ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन प्रदूषण विभाग के अधिकारी इसे गंभीरता से नहीं है। सनपेड़ा रोड पर कई फैक्ट्री चल रही हैं। इस रोड पर जगह-जगह फैक्ट्रियों से निकलने वाले कूड़े के ढेर लगे दिखाई देते हैं। इनका उठान करवाने के बजाय इनको आग के हवाले किया जा रहा है, जिससे वातावरण प्रदूषित हो रहा है। इससे धुआं और हानिकारक गैसें वातावरण में फैल रही हैं। जिससे ग्रामीणों का सांस लेना भी दुर्भर हो जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से फैक्ट्रियों द्वारा खुले में डाले जा रहे कूड़े व उसमें आग लगाए जाने के मामले में जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। इस बारे में एसडीएम प्रवेश कादियान ने कहा कि कूड़े का सही निस्तारण करने की बजाय खुले में कुड़ा डाल कर आग के हवाले करना नियमों के विरुद्ध है। इसकी जांच करवाई जाएगी। यदि कोई फैक्ट्री संचालक नियम तोड़ता मिला तो कार्रवाई की जाएगी।

कवि मेहर सिंह को उनकी जयंती पर हवन करके किया याद, पैतृक गांव बरोना में रागिनी प्रतियोगिता

खरखौदा। मेहर सिंह जयंती पर हवन यज्ञ करते गणमान्य।

खरखौदा। थाना कलां मार्ग पर स्थित जागृति स्थल पर शहीद एवं महान कवि मेहर सिंह की जयंती हवन यज्ञ करके मनाई गई। उनकी प्रतिमा पर शहर के गणमान्य लोगों द्वारा माल्यार्पण करके नमन किया गया। हवन यज्ञ के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर करतार सिंह, महेंद्र सिंह , डॉ अनिल दहिया, कर्मपाल, आनंद सिंह आदि ने अपने विचार रखते हुए कहा कि शहीद मेहर सिंह फौज में रहते हुए एक ऐसे कवि हुए हैं जिन्होंने अपनी रचनाओं से लोक संस्कृति को बढ़ावा दिया है। वहीं उनके पैतृक गांव बरोना में रागिनी प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें दूर-दूर से पहुंचे लोक गायको ने अपनी प्रस्तुति देकर उन्हें नमन किया।

विद्यार्थियों ने जाना लक्ष्य निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई। रुक्मिणी देवी स्कूल में छात्रों को जीवन में लक्ष्य प्राप्ति का मूल मंत्र देते हुए।

रुक्मिणी देवी स्कूल में छात्रों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को दूसरी बार छात्रों को दिखाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को दिखाया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण गुप्ता ने छात्रों को सफलता के मूल-मंत्रों से अवगत करवाते हुए कहा कि अच्छे अंक लाने के लिए छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए, लक्ष्य निर्धारित करने वाले छात्रों को जीवन में सफलता मिलती है।

प्राचार्य ने कठिन विषयों को अधिक सरल विषयों अध्ययन, योजना, समय की पुनरावृत्ति का सुझाव और कहा कि नियमित शुद्ध, सुंदर व स्पष्ट लेखन का अभ्यास, करने से आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। प्राचार्य डॉ० प्रवीण गुप्ता ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय करने और उसकी प्राप्ति का मूल मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि बच्चे विद्यार्थी जीवन में जो ठान लेंगे वह बन भी जाएंगे। विद्यार्थी अपने जीवन की दिशा और निर्देश तय करें।

जीवन में सफलता पाने के लिए जरूरी तीन महत्वपूर्ण पड़ावों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जिस क्षेत्र में अपना कॅरिअर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करें। विद्यार्थियों से अपना दायित्व ईमानदारी और निष्ठा से निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कक्षा एक से पीएचडी तक मिलने वाली सरकारी और गैर सरकारी स्कॉलरशिप की जानकारी दी और इन्हें प्राप्त करने के लिए जरूरी तैयारियों से अवगत कराया।

गोहाना। बैठक में विचारविमर्श करते हुए खाप प्रतिनिधि।

स्व. दादा घासी राम की जयंती 19 को मनेगी

गोहाना। गठवाला मलिक खाप के पूर्व प्रधान स्व. दादा घासीराम मलिक की 156वीं जयंती 19 फरवरी को गोहाना में बरोदा रोड स्थित मलिक भवन में धूमधाम से मनाई जाएगी। जयंती समारोह की तैयारी को लेकर शनिवार को मलिक भवन में बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता खाप के प्रधान दादा बलजीत मलिक ने की। उनके अनुसार मालिक खाप के गांव मोखरा, कारोर, खरावड़, गांधरा और अटायल की पंचायतों को निमंत्रण पत्र दिए गए हैं। लोगों ने कोर कमेटी को जयंती समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का निमंत्रण दिया है।

ये रहे मौजूद: बैठक में आकाशवाणी के पूर्व निदेशक धर्मपाल मलिक, कैप्टन जगवीर मलिक, पत्रकार जसवीर मलिक और मास्टर राजवीर मलिक उपस्थित रहे।

लोगों को शहरी तर्ज पर प्रदान की जाएंगी सुविधाएं: गहलावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

विधायक कृष्णा गहलावत ने शनिवार को जाखौली गांव में आयोजित धन्यवादी कार्यक्रम में पहुंच कर ग्रामीणों का आभार जताया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। जनसभा के रूप में आयोजित हुए कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और गांवों के विकास में कोई कसर नहीं छोडी जाएगी। हलकावासियों को शहरी तर्ज पर बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएगी। लोगों के सभी काम पूरे करवायेंगे। विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने कहा कि उनका स्वप्न है कि राई हलके को प्रदेश की नंबर-एक विधानसभा बनायें, जिसमें किसी भी प्रकार की समस्या न हो। लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया जाएगा।

वे दिन-रात हलकावासियों की सेवा के लिए उपलब्ध हैं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि दो प्रमुख सड़कों का निर्माण कार्य अति शीघ्र शुरू करवायेंगे, जिनके टेंडर बहुत जल्दी हो जाएंगे। इन सड़कों का एस्टीमेट तैयार करके भेजा जा चुका है। इन सड़कों में खेवड़ा से जगदीशपुर रोड का चौड़ीकरण और झुंडपुर से जाखौली-पतला-नांगल कलां रोड शामिल हैं। इन सड़कों के निर्माण कार्य पर लगभग क्रमशः पांच करोड़ ७५ लाख तथा पांच करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस मौके पर सरपंच गीतेश राजपूत, सरपंच नवीन चौहान, जिला पार्षद विक्रांत चौहान, जसपाल आंतिल खेवड़ा, नंदकिशोर वर्मा, जेपी रेवली, अनिल आंतिल, पुनीत राई, विनोद बैरागी, राजेश प्रधान टांडा, रविंद प्रधान अटेरना, घनश्याम, ऊषा रानी, धर्मबीर सैनी, प्रेम नंबरदार, सुधीर नंबरदार, श्याम नंबरदार, बिजेंद्र चौहान, सुशील चौहान आदि शामिल रहे।

पुलिस ने अभियान के तहत 87 वाहनों के चालान काटे

■ दो लाख 59 हजार पांच सौ रुपये जुर्माना वसूला गया

सोनीपत। यातायात पुलिस सोनीपत का सड़क सुरक्षा स्पेशल अभियान लगातार छठे दिन भी जारी रहा। अभियान के तहत सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतू भारी वाहनों को लेन ड्राईविंग (बाँई लेन) में चलने के नियमों की उंल्लघना करने पर पुलिस कर्मचारियों ने कार्यवाही करते हुए 87 वाहनों के चालान के चालतान काटे। वहीं बुलेट पटाका छोड़ने वाली 14 बाइकों के चालान करके दो लाख 59 हजार पांच सौ रुपये जुर्माना वसूला गया।

पुलिस विभाग की तरफ से भारी वाहन चालकों को गाड़ी बाई लाइन में चलाने हेतु जागरूक करने का काम किया जा रहा है। ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके व शहर में बुलेट बाइक से पटाखे छोड़ने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। पुलिस विभाग की तरफ से जिले में यातायात कर्मचारियों की तरफ से सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहनों के सुचारू-रूप से आवागमन हेतू भारी वाहन व गति प्रतिबन्धित (निर्धारित गति सीमा) वाहन के लिए लेन ड्राइविंग (बाँई लेन) निर्धारित करने व बाँई लेन में चलने हेतू वाहन चालकों को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44, केजीपी हाइवे, केएमपी व गोहाना पानीपत हाइवे पर अभियान के तहत नियमों की अवेलना करने वाले 87 वाहनों के चालान किए हैं। बुलेट पटाका के 14 चालान कर तकरीबन 2 लाख 59 हजार 500 रुपये का जुर्माना किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

विधायक ने कुंडली स्कूल में नवनिर्मित कमरों और लैब का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई। विधायक कृष्णा गहलावत कुंडली में नवनिर्मित कमरों को लोकार्पित करते साथ में डीईओ, पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुंडली में नवनिर्मित कमरों व अन्य निर्माण कार्य को बतौर मुख्यातिथि लोकार्पित करते हुए कहा कि राजकीय विद्यालयों में इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती उनकी प्राथमिकता है ताकि विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षण सुविधाएं मिलें। विधायक कृष्णा गहलावत शनिवार को मंदबुद्धि बच्चों के विद्यालय सैनफोर्ट स्पेशल स्कूल के साथ कुंडली स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहुंची, जहां उन्होंने लाखों रूपये की लागत से करवाये गये निर्माण कार्य का उदघाटन किया।

उन्होंने बताया कि विभिन्न विद्यालयों में चारदिवारी तथा मुख्यद्वार का निर्माण, दर्जनों कमरों की छत, दरवाजे व खिड़कियों की मरम्मत कार्य, २१ नए कमरों व लैब का निर्माण, २२ कक्षा कक्षों तथा बीस कमरों के बरामदे में कोटा स्टोन का फर्श डलवाया, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुंडली तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला प्याऊ मनियारी के पूरे परिसर में इंटरलॉकिंग का कार्य पूरा करवाया गया, कुंडली विद्यालय में तीन टॉयलेट सैट लड़कियों के लिए तथा पांच टॉयलेट सैट लड़कों के लिए बनवाये गये, प्राचार्या कक्ष, कान्फ्रेंस हॉल तथा लिपिक कक्ष का नवीनीकरण, विद्यालय परिसर में स्टेज का निर्माण, पूरे विद्यालय में बिजली की फिटिंग, २५० नए ओरियेंट पंखे तथा एलईडी लाइट की व्यवस्थौ करवाई गई। विधायक ने बताया कि उनका प्रयास है कि सभी राजकीय विद्यालयों में बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया, प्रिंसीपल शीला सहरावत, डिप्टी डायरेक्टर रेलवे जगबीर सिंह सहरावत, प्रिंसीपल चांदकिशोर, मार्केट कमेटी सोनीपत के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल, एडवोकेट रजनीश मलिक, शेखर आंतिल खेवड़ा, पार्षद प्रवीण खरब, प्रवीण खत्री, प्रदीप जयंत आदि मौजूद रहे।

FIMS HOSPITAL
'Nurturing Life'
Department of Nephrology & Urology
किडनी सम्बंधित सभी बिमारियों का इलाज व जाँच जैसे :–
◇ Acute and Chronic Kidney Failure.
◇ मधुमेह (Diabetes) व उच्च रक्तचाप (Hypertension) सम्बंधित किडनी रोग।
◇ AV Fistula & Permanent Catheter Insertion.
◇ न्यूनतम चीरे द्वारा किडनी बायोप्सी (Percutaneous Kidney Biopsy).
◇ Jugular, Femoral, & Peritoneal Dialysis Catheter Insertion.
◇ Modern Dialysis Unit with 24X7 State-of-the-Art ICU Backup.
यूरोलॉजी सम्बंधित सभी बिमारियों का इलाज व सर्जरी जैसे :–
◇ पेशाब में जलन, रूकावट, रक्त आना व पेशाब पर नियन्त्रण खो देने का इलाज।
◇ प्रोस्टेट (गदूद) की बिमारियों का उपचार व सर्जरी (TURP & TURBT).
◇ सभी प्रकार की पथरीयों का ईलाज व सर्जरी (PCNL, URS, Cystolithotripsy, Percutaneous Cystolithotripsy etc.).
◇ All Laparoscopic Surgeries (दूरबीन द्वारा आपरेशन)।
◇ महिलाओं एवं बच्चों के गुर्दे व पेशाब सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज व सर्जरी (Gynecological and Pediatric Urology).
Dr. Manish Aggarwal
MBBS, DNB, MCh (Urology)
OPD :- Mon to Sat 10AM - 2PM
Dr. Payal Jain
MBBS, MD, DNB (Nephrology)
OPD :- Mon to Sat 10AM -1PM
Emergency:- 24 hours available
फिम्स अस्पताल
बहालगढ़–सोनीपत रोड, सोनीपत, हरियाणा–131001
www.fimssonipat.com | 0130-2205000 | Follow us:
"On panel of CGHS, Haryana Govt., ESI, ECHS, Delhi Gov, Railway, NDMC, DJB, FCI, MCD, AAI, DTL, DTC, TPDDL, Raksha, Star, and all Major Insurance Companies, TPAs, & PSUs."

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

सजेशन
रजनी अरोड़ा

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

कहानी
शुभदा मिश्र

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक), **संपादकः** कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे। इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। *

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था का इंतजाम भी किया जा चुका है।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और यह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लॉई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। *

न्यू ट्रेंड

संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनेबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। *

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात

पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। *

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं,'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'